

प्रेषक,

आर०डी०पालीवाल,  
सचिव, न्याय एवं विधि धरमशो,  
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महानिबन्धक,  
मा० उत्तरांचल उच्च न्यायालय,  
नैनीताल ।

न्याय अनुभाग : 2

देहरादून : दिनांक : 27 नवम्बर, 2006

विषय: रुद्रपुर, जिला ऊधमसिंहनगर में जिला जज के आवासोय भवनो के निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2006-07 में धनराशि को स्वीकृति ।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्र संख्या-64/IX-(b)-4/2004, Admin.B, दिनांक 2.12.2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि रुद्रपुर, ऊधमसिंहनगर में जिला जज के आवासोय भवनो के निर्माण हेतु रु० 90,30,000/- के आगणन के विरुद्ध टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत रु० 72,67,000/- (रुपये बहत्तर लाख सटसठ हजार मात्र) को लागत के आगणन की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त संस्तुत आगणन के स्थलेस रुपये 72,67,000/- (रुपये बहत्तर लाख सटसठ हजार मात्र) को धनराशि को व्यय निचले जाने की सहायताय गणनाल निम्न शर्तो एवं प्रतिबन्धो के अधीन सहर्ष स्वीकृत प्रदान करते है :

- (1) आगणन में उल्लिखित दरों का विरलेपण विभागा के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों को, जो दरें शिडयुल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव में ली गई हो, को स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा ।
- (2) कार्य कराने से पूर्व समस्त कार्यों के विस्तृत आगणन एवं मानचित्र गठित कर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जाय, तदुपरांत ही कार्य प्रारम्भ किया जाय ।
- (3) कार्य को स्वीकृत लागत में ही पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाय ।
- (4) एक मुरत प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाय ।
- (5) निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यो को सम्पादित किया जाय ।
- (6) कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण उक्त अधिकारियों के साथ अवश्य कर ली जाय । निरीक्षण के परचात आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाय ।
- (7) आगणन में धनराशि बिन मदों हेतु स्वीकृत की गई है, उसी मद में व्यय की जाय । एक मद की राशि दूसरी मद में किसी भी दशा में व्यय न की जाय ।
- (8) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय ।

- (9) जी०पी०डब्ल्यू फॉर्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करना पर 10 प्रतिशत की दर से भाग्यमान की कुल लागत का निर्माण इकाई में दण्ड वसूल किया जाएगा ।
- (10) व्यव में पूर्व बजट मैनुअल, वित्तीय इसा पुस्तिका, स्टोर पर्चेज स्लैट, मितव्ययता के सम्बन्ध में समय समय पर निर्गत आदेश एवं तद्विषयक अन्य आदेशों का अनुपालन किया जाय । कार्य को गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित निर्माण एजेंसी/अधिशाली अभियन्ता पूर्णरूप से उत्तरदायी होंगे ।
- (11) निर्माण कार्य करते समय अथवा अग्रापन गतिज करते समय मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनआदेश संख्या 2047/XVI/219(2006), 30.5.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय ।
- (12) स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्वीकृत धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शतमन को उपलब्ध करा दिया जाय ।
- 2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के आय-व्यय के अनुमान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखा-शीर्षक "4059-लोकनिर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय-60-अन्य भवन-051-निर्माण-00-आयोजनागत-03-व्ययिक कार्यों हेतु भवनों का निर्माण-24-बृहत् निर्माण कार्य" के नामे चला जायगा ।
- 3- यह आदेश वित्त अनुभाग-5 के अरासकोप संख्या 691/XXVII(5)/2006, दिनांक 20.11.06 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे है ।

भवदीय,

( आर०डी०पालीवाल )  
सचिव ।

संख्या-55-दो(1)/XXXVI(1)/2006-91-दो(1)/04-तदुदिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), आंध्रप्रदेश विलिडिंग, उत्तरांचल, माजरा, देहरादून ।
2. मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून ।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, ऊधमसिंहनगर ।
4. परियोजना प्रबन्धक, यूनिट-37, कन्स्ट्रक्शन एण्ड डिजाइन सर्विसेज, उ०प्र० जल निगम, ऊधमसिंहनगर ।
5. नियोजन विभाग/वित्त अनुभाग-5, उत्तरांचल शासन ।
6. एन०आई०सी०/सम्बन्धित समीक्षा अधिकारी/गार्ड फाईल ।

आज्ञा से,  
( आलोक कुमार वर्मा )  
अपर सचिव ।

271106008